इरेडा और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने रूफटॉप सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

वास्को डी गामा, गोवा, 29 जनवरी, 2022

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) ने आज रूफटॉप सोलर पावर प्रोजेक्ट स्थापित करने के लिए अपनी तकनीकी-वित्तीय विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। ये दोनों कंपनियां क्रमशः नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के तहत सार्वजनिक उपक्रम हैं।

समझौता ज्ञापन पर इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), श्री प्रदीप कुमार दास और जीएसएल के सीएमडी (सीएमडीई) भारत भूषण नागपाल, द्वारा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौता ज्ञापन के तहत, इरेडा द्वारा गोवा के वास्को डी गामा में स्थित कंपनी के मुख्यालय में रूफटॉप सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के लिए जीएसएल की सहायता की जाएगी । इरेडा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत ई & एस मानकों के अनुसार रूफटॉप सोलर और अन्य आरई परियोजनाओं के पर्यावरण और सामाजिक (ई & एस) ड्यू डिलेजेन्ट के लिए जीएसएल को अपनी तकनीकी-वाणिज्यिक विशेषज्ञता प्रदान करेगा। अपने भवन में रूफटॉप सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के बाद, जीएसएल बिजली पर होने वाले खर्च को कम करने और साथ ही साथ कार्बन फुटप्रिंट को भी कम करने में सक्षम होगा।

इस सहयोग के संबंध में बोलते हुए, इरेडा के सीएमडी, श्री प्रदीप कुमार दास ने कहा कि "हम स्वच्छ ऊर्जा समाधान को अपनाने की दिशा में जीएसएल के साथ साझेदारी करके प्रसन्न हैं।" इस साझेदारी से दोनों कंपनियों की विशेषज्ञता का लाभ उठाकर अच्छी पद्धति को लाने की उम्मीद है और हरित ऊर्जा के माध्यम से देश के सतत विकास के लिए माननीय प्रधान मंत्री के विजन को आगे बढ़ाने की उम्मीद है । भारत सरकार का लक्ष्य वर्ष 2022 के अंत तक रूफटॉप सोलर के माध्यम से 40 गीगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन करना है, और ये सहयोग हमें भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में योगदान करने के लिए सक्षम बनाएंगे ।

आरई क्षेत्र की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, डेढ़ साल पहले इरेडा द्वारा एक समर्पित व्यवसाय विकास और परामर्श डिवीजन की स्थापना की गई थी। इस नई डिवीजन के तहत, आरई और ऊर्जा संक्रमण के डेवलपर्स के लिए अपनी परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए पिछले 14 महीनों के भीतर इरेडा द्वारा हस्ताक्षरित यह सातवां समझौता ज्ञापन है । इससे पहले, इरेडा ने हरित ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अपनी तकनीकी-वित्तीय विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए एसजेवीएन, एनएचपीसी, टैंजेडको, नीपको, बीवीएफसीएल और टीएचडीसीआईएल के साथ समझौता ज्ञापन किया था ।

इरेडा आरई क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अन्य पीएसयू और निजी संगठनों के लिए अपनी परामर्श सेवाएं प्रदान करने की आशा कर रहा है।